मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

मैथिली

एम. ए. मैथिली

पाठयक्रम

१९९९

पाठयक्रम विकास केन्द्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर, *काठमाडौं*

नेपाल

Publisher:
Curriculum Development Centre
Tribhuvan University
Kirtipur, Kathmandu,
Nepal
Tel. No. 330856

© 1999 by CDC, TU. All rights reserved.

First Edition:
300 Copies
Kartik, 2056
October, 1999

Gunacc

Price:

Funded by:
Higher Education Project
T.U.

Printers:
T.U, Press
Kirtipur,
Kathmandu

एम. ए. मैथिली

१९९९ देखि लागू गरिएको

डीनको कार्यालय
मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र संकाय
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
काठमाडौं, नेपाल

एम.ए. मैथिली

विषयगत उद्देश्य

एहि पाठ्यांशक समष्टिगत अधोलिखित शैक्षिक एवं प्राज्ञिक योग्यता: सम्पन्न उच्च स्तरक जनशक्ति उत्पन्न करवे एकर उद्देश्य हएत:

१) मैथिली भाषा एवं साहित्यमे भेल अद्यपर्यन्त शोधसं उपलब्ध ज्ञानसं मण्डित करब ।

२) छात्र लोकनिकें कोनो नव परिस्थिति आ परिवेशमे सामंजस्य स्थापित करबाक लेल क्षमता प्रदान करब ।

३) शिक्षा क्षेत्रमे गुणात्मक स्तरक विकास कए, देश विदेशक कोनो विश्वविद्यालयक उत्पादनसं श्रेष्ठ, योग्यतम जनशक्तिक उत्पादन करब ।

४) एहि विषयसं जीविकाक अवसर हस्तगत करबाक हेतु ज्ञान एवं कौशल प्रदान करब ।

स्तरगत उद्देश्य

एहि पाठ्यक्रमद्वारा अध्येता लोकनिकें साहित्यकविकास क्रमक एकर विभिन्न युगीन रचनाशैली, युगीन रचना प्रवृत्ति, प्रमुख रचनाकार तथा हुनका लोकनिक कृतिक समीक्षात्मक ज्ञानसं मण्डित करब एहि पाठ्यक्रमक उद्देश्य हएत ।

एहि पाठ्यक्रमद्वारा अध्येता लोकनिकें भाषा विज्ञानक सैद्धान्तिक पक्ष, भाषाक परिभाषा, उत्पत्ति, भाषिक वर्गीकरण, गठन एवं स्वरूपक अनुसार भाषाक विभाजन, ध्वनि नियम, भाषा परिवर्तनक कारण आदि पक्षक संगहि मैथिली भाषा एकर विभक्तिक वैलक्षण्य आदि आवश्यक अंशसं परिचय कराएव ।

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र (समीक्षा शास्त्र) क अंग: उपाङ्गक तथा छन्द आ छन्दक प्रमुख भेदोपभेद सँ सम्यक रूपें परिचित कराए काव्यक समीक्षात्मक क्षमता प्रदान करबा

पद्य साहित्यकतीनू विधा (महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं मुक्तक) क प्रमुख रचना एवं रचनाकारक परिचयक संग समालोचनात्मक दक्षता प्रदान करब ।

मैथिली नाटकक विकासक्रम, ओकर रचना प्रक्रिया ओकरा अवहिक वैशिष्ट्य, रचना शैली एवं ओकर विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक क्षमताक अभिवृद्धि करब ।

निबन्ध साहित्य एवं गल्प साहित्यकविकास क्रमक परिचय देबाक संगहि अध्येता लोकनिक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक कौशलमे अभिवृद्धि करब हएत ।

मैथिली उपन्यासक विकासक्रमक परिचयक परिचय देबाक संगहि एकर वैशिष्ट्यक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक शक्तिक विकास करब ।

मैथिलीक कोनहु एक निर्धारित कवि, युग विशेष अथवा विषय विशेषक विस्तृत, गंभीर एवं व्यापक अध्ययन कराएव ।

मैथिली लोक साहित्यकसमस्त उपलव्ध सामग्रीक अध्ययन कराए ओकर विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक कौशलमें अभिवृद्धि कराएव ।

संस्कृत, प्राकृत एवं अवहट्ट भाषामे रचित साहित्यकअध्ययन कराएब ।

मैथिली साहित्य विभिन्न विधासँ सम्बद्ध निबन्धक परिचय देब।
अथवा

लघुशोध
शोध प्रविधि सम्बन्धी आवश्यक ज्ञानस परिचित कराएव; पश्चात, शोधकार्य करबाक हेतु एँ आवश्यक भूमिका प्रस्तुत करब ।

अथवा

विश्व साहित्य: निर्धारित भाषा साहित्यकअध्ययन कराए मैथिली भाषा साहित्यमे उक्त भाषा साहित्यकसर्व श्रेष्ठ/श्रेष्ठ रचनाक समकक्षीय साहित्य रचता करबाक लेल पृष्ठ भूमिक निर्माण करब हएत ।

पाठ्यक्रम स्वरूप
एहि पाठ्यक्रममे १००/१०० अंकक प्रत्येक प्रत्र हएत । पत्र संख्या १० (दश) अछि आ समस्त पाठ्यांशक विभाजन निम्न रूपमे कएल गेल अछि:

प्रथम वर्ष

पत्र	Code No.	विषय		पूर्णाङ्क
I	Mai. 501	मैथिली साहित्यकइतिहास	अनिवार्य	१००
II	Mai. 502	भाषा विज्ञान एवं मैथिली भाषा		१००
III	Mai. 503	काव्य शास्त्र एवं समीक्षा सिद्धान्त		१००
IV	Mai. 504	मैथिल पद्य साहित्य		१००
V	Mai. 505	मैथिली नाट्य साहित्य		१००

द्वितीय वर्ष				
VI	Mai. 506	मैथिली निबन्ध ओ गल्प साहित्य		१००
VII	Mai. 507	मैथिली उपन्यास		१००
VIII	Mai. 508-1	१) कवि विशेष (विद्यापति)	विशेष पत्र	१००
	Mai. 508-2	२) „ „ (चन्दा झा)		
	Mai. 508-3	३) युग विशेष (मल्लकालीन मैथिली साहित्य)		
	Mai. 508-4	४) विषय विशेष (भाषा शास्त्र ओ मैथिली भाषा)		
IX	Mai. 509	शोध प्रविधि		१००
X	Mai. 510-1	१) संस्कृत, प्राकृत ओ अवहट्ठ	ऐच्छिक	१००
	Mai. 510-2	२) मैथिली लोक साहित्य		
	Mai. 510-3	३) विश्व साहित्य		
	Mai. 510-4	४) मैथिली साहित्यिक निबन्ध		
	Mai. 510-5	५) शोधपत्र		

परीक्षा प्रणाली एवं श्रेणी विभाजन

दु बर्षक एम.ए. मैथिली विषयमे प्रत्येक शैक्षिक सत्रक अन्त्यमे बार्षिक प्रणाली अनुसार त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा संचालन होयत । प्रत्येक बर्षके प्रत्येक पत्रक (Course) परीक्षामे न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक प्राप्तक उत्तीर्ण भेल विद्यार्थीके कुल प्राप्तांकक श्रेणी विभाजन निम्नअनुसार होयत ।

७५% अथवा ताहि सँ उपर - विशिष्ट श्रेणी
६०% अथवा ताहि सँ उपर - प्रथम श्रेणी
५०% अथवा ताहि सँ उपर - द्वितीय श्रेणी
४०% अथवा ताहि सँ उपर - तृतीय श्रेणी

मैथिली साहित्यक इतिहास

Mai. 501

प्रथम पत्र
पूर्णाङ्क १००
पाठ घण्टा:१५०

पाठ्यांशक उद्देश्य:

१) **काल विभाजनक** आधार, प्रयोजन एवं एहिसँ सम्बन्धित विभिन्न विद्वान लोकनिक विचार तथा ओकर समीक्षात्मक ज्ञान सँ परिचित कराओल जाएत

२) प्राचीन कालक उपलब्ध सामग्री एवं ओकर रचनाकार लोकनिक परिचय देल जाएत

३) विद्यापति युगक सामाजिक सांस्कृतिक एवं राजनैतिक परिस्थिति, हुनक प्रमुख कृति तथा हुनक प्रभाव सँ परिचित कराओल जाएत

४) गोविन्द दास, लोचन, एव मनबोधक रचना तथा ओकर पृष्ठभूमिसँ परिचित कराओल जाएत

५) नेपालमे रचित मध्यकालीन मैथिली रचना, बंगाल, आसाम तथा उडीसामे रचित साहित्यकपरिचयक संगहि मिथिलामे रचित कीर्त्तनियाँ नाटकक रचनाक पृष्ठभूमि, प्रसिद्ध कीर्तनियाँ नाट ओ नाटक लेखक लोकनिसँ परिचित कराओल जाएत

६) आधुनिक कालमे रचित गद्य एवं पद्यक रचनाक क्रम, ओकर स्वरूप एवं पृष्टभूमि सँ अवगत कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	काल विभाजन, काल विभाजनक आधार, प्रयोजन एवं तत्सम्बन्धी विभिन्न विद्वान लोकनिक विचार एवं ओकर विवेचन तथा समीक्षा	५
II	**प्राचीन काल** सिद्ध साहित्य एवं आदिकालीन मैथिली साहित्यकसामग्री, ज्योतिरीश्वर, हुनक काल, रचना, वर्ण रत्नाकरक नामकरण, साहित्यिक सामग्री एवं ओकर महत्व	१०
III	***मध्य काल*** (क) विद्यापतिक युग, हुनक कालक निर्धारण, युगक सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, हुनक प्रमुखकृति संस्कृत, प्राकृत अवहट्ठ आ मैथिली, हिनक प्रभाव आ समकालीन अन्य कवि लोकनिक परिचय	२०
	(ख) गोविन्द दास, लोचन एवं मनबोधक कृतित्व एवं व्यक्तित्वक परिचय	
	(ग) नेपालमे रचित मध्यकालीन नाटक एवं गीतक विवेचन,	२०

बंगाल, आसाम एवं उडीसामे रचित वैष्णव साहित्यकपरिचय एवं मिथिलामे रचित कीर्त्तनियाँ ३०
नाटकक रचनाक पृष्ठभूमिक परिचय, प्रसिद्ध कीर्तनिया नाटककार एवं हुनका लोकनिक कृतिक परिचय

IV *आधुनिककाल*

(क) आधुनिक कालक प्रारंभ एवं एकर पृष्ठभूमिक परिचय, १३
युग प्रवर्त्तक कवीश्वर चन्दा झा, पं हर्षनाथ झा,
लाल दास एवं अन्य साहित्यकारक कृतित्व एवं
व्यक्तित्वक परिचय

(ख) मैथिली साहित्यकविकासमे पत्र पत्रिकाक योगदान

(ग) मैथिली गद्य रचनाक उद्भव आ विकास गद्य रचनाक १२
विभिन्न स्वरूप (कथा, उपन्यास, निवन्ध, नाटक,
एकांकी एवं आलोचना साहित्य) क अध्ययन २०

(घ) पद्य साहित्यकविकास क्रमक परिचय, प्रमुख विधा
महाकाव्य, खण्डकाव्य मुक्तक आदिक विवेचनात्मक एवं
समीक्षात्मक परिचयक संगहि रचनाकार लोकनिक
काव्यात्मक परिचय २०

सन्दर्भ सामग्रीक पुस्तक:

१) झा, श्रीश, *मैथिली साहित्यकइतिहास,* नवीनतम संस्करण, भारती पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

२) झा, दिनेश कुमार, *मैथिली साहित्यकआलोचनात्मक इतिहास,* मैथिली, अकादमी, पटना

३) झा, पं. राजेश्वर, *मैथिली साहित्यकआदिकाल,* विहार रिसर्च सोसाइटी पटना

४) मिश्र, जयकान्त, *मैथिली साहित्यकइतिहास,* साहित्य अकादमी, दिल्ली

५) सिंह, प्रफुल्ल कुमार मौन, *नेपालक मैथिली साहित्यकइतिहास,* वैदेही पुस्तक भंडार, पटना

६) झा, शेलेन्द्र मोहन, *ब्रजबोली साहित्य,* हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना

७) झा, वासुकी नाथ, *सं मैथिली साहित्यकरूप रेखा,* भाग १ एव २, प्र. चेतना समिति, पटना

८) झा, रमानाथ, *प्रबन्ध संग्रह,* अनंत प्रकाशन, दरभंगा

९) झा, रमानाथ, *निबन्ध संग्रह,* " " "

१०) मिश्र, नवीन चन्द्र, *अंकिया नाटक क विवेचन,* लाल बाग, दरभंगा

११) सिंह, जयधारी, *बौद्ध गानमे तांत्रिक सिद्धान्त,* रामधारी प्रकाशन, मधुवनी

१२) झा ललितेश्वर, *कवीश्वर चन्दा झा,* बुक इम्पोरियम, मधुवनी

१३) ठाकुर, ब्रजकिशोर, *अध्ययन ओ विवेचन,* साधाना प्रकाशन लोहना (प.) मधुवनी
१४) झा, नवोनाथ, *मैथिली नव कविताक उद्‌भव ओ विकास,* मैथिली पुस्तक भंडार, पटना
१५) ज्ञावाली सूर्य विक्रम, *मध्यकालीन नेपाल उपत्यकाको इतिहास,* साझा प्रकाशन, काठमाडौ
१६) Mishra, J.K., ***History of Maithili Literature,*** Sahita Academy, Delhi,
१७) Chaudhary, R.K., ***A survey of Maithili Literature,*** Anamika Pub, Patan.
१८) Sen, S.K., ***History of Brajabuli Literature,*** Calcutta University (Publication Calcutta)

भाषा विज्ञान एवं मैथिली भाषा

Mai. 502

द्वितीय पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा:१५०

पाठ्यांशक उद्देश्य:

१) भाषा विज्ञानक सैद्धान्तिक पक्ष, भाषाक परिभाषा, उत्पत्ति, भाषिक वर्गीकरण, ध्वनि नियम, भाषा परिवर्तनक कारण आदि सँ परिचित कराओल जाएत

२) मैथिली भाषा ओकर ध्वनि विचार, पद विचार, नाम विचार आख्यात विचार नाम साधनिका, तथा वाक्य विचार आदि सँ परिचित कराओल जाएंत

(क) सामान्य भाषा विज्ञान (पाठ् घण्टा ७५)

एकाइ		पाठ घण्टा
I	भाषा विज्ञानक परिभाषा, एहि विज्ञानक अन्य शास्त्र सं सम्बन्ध, भाषाक उत्पति सम्बन्धी विभिन्न विचारकक ज्ञान, भाषा विज्ञानक प्रभेद शब्द विज्ञान, अर्थ विज्ञान, रूप विज्ञान एवं ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि विज्ञान सँ सम्बन्धी नियम आ सिद्धान्तक परिचय	३०
II	भाषा वर्गीकरण आकृतिमूलक एवं पारिवारिक, भारोपीय प्रमुख भाषाक विशेषता, ब्यान्टुम एवं शतमवर्गक परिचय	२०
III	प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक आर्य भाषाक विशेषताक संक्षिप्त परिचय, अर्थ विज्ञान, ध्वनि नियम, वाक्य विचार एवं पद विचार, भाषा, राष्ट्र-भाषा, विभाषा, एवं बोलीक परिचय तथा परस्पर भिन्नताक ज्ञान	२५

(ख) *मैथिली भाषाक सामान्य अध्ययन (पाठ् घण्टा ७५)*

IV	आधुनिक आर्य भाषा परिवारक स्रोत, मैथिलीक उद्भव ओ विकास, मैथिलीक कालिक एवं क्षेत्रीय विभाजन, अपभ्रंश आ ओकर भेद	१२
V	मैथिली भाषाक ध्वनिगत विशेषता, स्वराघातक परिणाम, मैथिलीक पद्विचार, तद्भवशब्द: प्राकृत, अपभ्रंश एवं अवहट्ठ सँ एकर सम्बन्ध, मानक मैथिली तथा अन्य बोली, एकर भाषिक विभाजन तथा प्रत्येकक विलक्षणताक ज्ञान	११
VI	विभक्तिक रूप, नाम विचार, संज्ञा विवेचन, भेद, कारक रूपावली, लिङ्ग, बचन ओ पुरूष तथा विशेषणक प्रभेद,	१२

विशेषण: स्वरूप ओ वर्गीकरण विकारी विवेचन, सर्वनाम विवेचन ओ सर्वनाम रूपावली

VII आख्यात विचार, क्रिया पदक स्वरूप, क्रियाक अनुषंगी भावधातु, धातु रूपावली, काल, कालक भदोपभेद स्त्रीलिंग क्रियापद, लग्न -निपात, निषेधात्मक क्रियाभेद: सकर्मक अंकर्मक, द्विकर्मक, व्युत्पन्न धातु, कर्मवाच्य, नामधातु, नाम संयुक्त, वाच्यभेद संयुक्त क्रिया पद ओ अनुप्रयोग १५

VIII सन्धि, कृदन्त, कृदन्तीय पद, संस्कृतक कृदन्तीय पद, उपसर्ग तद्धितान्त शब्द, संस्कृतक तद्धित, समास ओ संस्कृतकं समास, निपातक विचार एवं परिभाषा, अन्वय सूचक, समुच्चय सूचक विस्मयादि सूचक ओ क्रिया विशेषण १३

IX *वाक्य विचार* १२

वाक्य क परिभाषा, वाक्य प्रकार ओ लकार पदक्रम, समानाधिकरण (Agreeament Rules) अख्यात उद्देश्य, विधेय, वाक्य विश्लेषण, पदवन्ध, उपवाक्य एवं वाक्य क प्रकार सम्बन्धी अवधारण

सन्दर्भ सामग्रीक पुस्तक:

१) जार्ज एब्राहम ग्रियसन, *भारतक भाषा सर्वेक्षण* (मैथिली), मैथिली अकादमी, पटना, १९७८

२) मिश्र, धीरेन्द्र नाथ, *मैथिली भाषा शास्त्र,* भवानी प्रकाशन, पटना

३) तिवारी, भोला नाथ, *भाषा विज्ञान,* किताव महल इलाहावाद

४) झा, गोविन्द, *उच्चतर मैथिली व्याकरण,* मै. अ. पटना १९७९

५) Crystal David, ***Linguistics Penguin,*** London 1971.

६) Loyons J., ***Introduction to the Theoritical Linguistics,*** Cambridge, Un. Publication London.

७) झा, गोविन्द, *मैथिली भाषाका विकास,* विहार ग्रंथ अकादमी, पटना, १९७४

८) Yadav, R., ***Maithili Phonetics,*** Maining Selden & Jamn, 1984

९) Yadav, R., ***Reference Grammar of Maithili***, Berlin, 1996

काव्य शास्त्र

Mai. 503

तृतीय पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) वृहद् रूपें भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्रक संगहि पिंगल शास्त्रक स्वरूप सं परिचित कराओल जाएत

२) काव्य शास्त्र (समीक्षा शास्त्र) क अंग उपाङ्गक परिचयक संगहि विश्लेषण एवं समीक्षा शक्ति प्रदान कएल जाएत
   (क) प्राच्य (भारतीय) काव्य शास्त्र
   (ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र

एकाइ		पाठ घण्टा
I	प्राच्य ओ पाश्चात्य काव्य शास्त्रमे प्रचलित काव्यक लक्षण, प्रयोजन, हेतु एवं भेदक ज्ञान	२५
II	शब्द शक्तिक विवेचन	१०
III	ध्वनि सिद्धान्त, प्रमुख अलंकार, रीति गुण एवं दोषक विवेचन	३५
IV	रस स्वरूप, भेद, स्थायी भाव, रस सामग्री रस निष्पत्ति तथा साधारणीकरण आदिक परिचय	३५
V	काव्य श्रोत, आलोचनाक, स्वरूप, गुण तथा पद्धति एवं भेद अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त	३५
VI	छन्दक सामान्य परिचय एवं प्रमुख भेदोपभेदक ज्ञान	१०

सन्दर्भ सामग्रीक पुस्तक:

१) सहाय, हीरा, *भारतीय आलोचना शास्त्र*
२) झा, सुरेन्द्र सुमन, *अलंकार मालिका,* विहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, मैथिल मंदिर, दरभंगा १९८९
३) झा, सीताराम, *अर्थालंकार चौखम्भा,* वाराणसी
   " " *शब्दालंकार चौखम्भा,* वाराणसी
४) झा, गोविन्द, *छन्द शास्त्र,* राज प्रेस दरभंगा
५) राय, गुलाव, *काव्य के रूप,* आत्माराम एण्ड सन्स प्रकाशन, दिल्ली
६) सुवेदी, हरि, *पाश्चात्य काव्य शास्त्र,* रा.प्र. प्रतिष्ठान, काठमाडौ
७) झा, दिनेश कुमार, *मैथिली काव्य शास्त्र,* मै.अ. पटना
८) झा, धीरेश्वर, *मैथिली काव्य शास्त्रक रूपरेखा,*अंचल शिक्षा समिति, जनकपुर, वि.स.. २०३४
९) सिंह, जयधारी, *काव्य मीमासा,* भाग १ र २, राज प्रेस, दरभंगा

१०) भाटी, देशराज, *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र,* प्र. अशोक प्रकाशन नर्य सडक, दिल्ली १९७९
११) झा, भोलानाथ, *साहित्य विमर्श,* मै. अ. पटना
१२) Richards, L, ***Literary Creticusm: Study of Literature,*** Oxford, London
१३) Henery, Hudson, ***An Introduction of Literature***

मैथिली पद्य साहित्य

Mai. 504

चतुर्थ पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) मैथिली महाकाव्यक विश्लेषणात्मक परिचयक संगहि समीक्षा शक्तिक अभिवृद्धि कएल जाएत

२) मैथिली खण्ड काव्यक परिचयक संग विश्लेषणात्मक एवं समीक्षा कौशल मे परिपक्कता आनवाक प्रयास एकल जाएत

३) मैथिली मुक्तक साहित्यकपरिचयक संग संगहि विश्लेषणात्मक विवेचनात्मक प्रतिभामे निखार लएवाक प्रयास कएल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	*महाकाव्य*	६०
	१) मनबोध: कृष्णजन्म	
	२) तंत्रनाथ झा: कृष्णचरित	
	३) मार्कण्डेय प्रवासी: अगस्त्यायनी	
	४) कवीश्वर चन्दाझा: मिथिला भाषा रामायण (अयोध्याय काण्ड)	
	५) डा. धीरेन्द्र: त्रिपुण्ड, साधना प्रकाशन, मधवनी	
II	*खण्ड काव्य*	३०
	१) लक्ष्मण शास्त्री: धर्मराज युधिष्ठिर	
	२) श्रीरमाकर: शरशय्या	
	३) श्रीमाथुर: त्रिशूली	
	४) अमरेन्द्र मिश्र: एकलव्य	
III	*मुक्तक काव्य*	
	सं. मिश्र एवं अन्य: मैथिली कविता संग्रह मै.अ. पटना (पाठ घ.२०)	
	१) विद्यापति, पद संख्या: १,२,३,४,६,१२,१४, र १७	
	२) गोविन्द दास, पद संख्या: १,२,३,४, र ६	
	३) लोचन, पद संख्या: १	
	४) जगज्ज्योतिर्मल्ल: सूर्यक नचारी एवं गणेशक नचारी	
	५) चन्दा झा, पद संख्या: तीन गाही मुक्तक (पाठ घ.१५)	
	६) सीताराम झा: सूक्ति सुधा	
	७) कविशेखर बदरीनाथ झा: संध्यावर्णन	
	८) भूवनेश्वर सिंह भुवन: युगवाणी (पाठ घ. १५)	
	९) मधुपजी: आत्मगीत,	
	१०) यात्रीजी: परमसत्य	

११) राजकलम: महावन
१२) डा. धीरेन्द्र: कुहेस
१३) नचिकेता: गांधारी
१४) राम भरोस कापडि: भानु एक श्रद्धांजलि
१५) विदेहक नगरीसँ (काव्य संग्रह) (पाठ घ. १०)
अ) श्री सुन्दर झा शास्त्री: गीत
आ) भुवनेश्वर पाथेय: जिनगी
इ) राजेन्द्र विमल: गजल
ई) महेन्द्र मलंगिया: अन्तर्देशी
उ) अयोध्यानाथ चौधरी: परिवर्त्तन

पाठ्य पुस्तक:

(क) महाकाव्य:

१) मनबोध, *कृष्ण जन्म*
२) झा, तंत्र नाथ, *कृष्ण चरित,* मै अ. पटना
३) मार्कण्डेय प्रवासी, *अगस्त्यायनी,* मै अ. पटना
४) झा, कवीश्वर चन्दा, *मिथिला रामायण अयोध्या काण्ड,* मे अ.पटना
५) धीरेन्द्र, *त्रिपुण्ड,* साधना प्रकाशन मधुवनी

(ख) खण्ड काव्य:

१) रमाकरजी, *शरशय्या,* क्षेमधारी प्रकाशन, भधुवनी
२) शास्त्री, लक्ष्मण, *धर्मराज युधिष्ठिर*
३) माथुर, मथुरानन्द चौधरी, *त्रिशुली,* त्रिशुली प्र. गौशाला, नेपाल
४) मिश्र, अमरेन्द्र, *एकलव्य,* मैथिली प्रकाशन हनुमानगंज, मिश्र टोल, दरभंगा

(ग) मुक्तक:

१) मिश्र, आनन्द, चन्द्रनाथ मिश्र (सं.), *कविता संग्रह,* मै अ. पटना
२) मलंगिया, महेन्द्र, *विदेहक नगरीसँ,* प्र. मिनाप, जनकपुर वि.सं. २०४९ (१९९६)

सन्दर्भ ग्रंथ:

१) झा, शिवशंकर कान्त, *मै. महाकाव्य उद्भव ओ विकास,* मै.अ. पटना
२) झा, वासुकी नाथ, *महाकाव्यक यात्रा मे युगीन सन्दर्भ,* चेतना समिति, पटना
३) झा, रमानाथ, *भाषा गीत संग्रह,* प्र. पटना विश्वविद्यालय, पटना
४) झा, शैलेन्द्र मोहन, *परिचय निचय,* भारती पुस्तक केन्द्र दरभंगा
५) झा, भीमनाथ, *परिचायिका,* वैदेही पुस्तक भण्डार, पटना
६) झा, रमानन्द रमण (सं.), *नवीन मैथिली कविता,* भवानी प्रकाशन, पटना
७) वर्मा, धीरेन्द्र (सं.), *साहित्य कोश,* प्रथम एवं द्वितीय भाग

मैथिली नाटय साहित्य

Mai 505

पंचम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) मैथिलीनाटकक विकासक स्थिति ओकर वैशिष्ट्य एवं रचना शैली तथा नाटकीय तत्व सँ परिचित कराओल जाएत,

२) मैथिली नाटक एवं एकांकीक अध्ययनक संगहि दुहू विधाक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक शक्तिक अभिवृद्धि कराओल जाएत, निर्धारित नाटक एवं एकांकीक कथावस्तु, सारांश, विश्लेषण, चरित्र चित्रण एवं समीक्षा: कौशलक अभिवृद्धि कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	*नाटक*	
	१) सं. सुरेन्द्र झा सुमन: राम दास झा रचित आनन्द विजयाभिधान (नाटिका)	४५
	२) सं. लेखनाथ मिश्र: जगत् प्रकाश मल्ल लिखित प्रभावतीहरण	४५
	३) नचिकेता: एकटा छल राजा	
	४) भफाइत चाहक जिनगी: सुधांशु शेखर चौधरी	
	५) श्री महेन्द्र मंलगिया: ओकरा आंगनक बरहमासा	३०
II	*एकांकी:*	
	१) जीवन संघर्ष, कर्ण, धटकक पराभव, शस्त्र ओ शास्त्र एवं ब्रह्मस्थान	१५
	२) मोछंक संहार, फोकट, डाइन कोशी, पिपासा तथा हाथीक दाँत	१५

पाठ्य पुस्तक

१) झा, राम दास, सुरेन्द्र झा (सं.), *आनन्द विजयाभिधान,* (नाटिका), मै.अ. पटना

२) मल्ल, जगत, प्रकाश, सं. लेखनाथ मिश्र, *प्रभावतीहरण,* प्र. *लेखनाथ मिश्र,* (अरेरहाट) मधुवनी

३) नचिकेता, *एकटा छल राजा,* मैथिली प्रकाशन, कलकत्ता

४) चोधरी, सुधांशु शेखर, *भफाइत चाहक चिनगी,* शेखर प्रकाशन, पटना

५) मंलगिया, महेन्द्र, *ओकरा आंगनक बरहमासा,* चेतना समिति, पटना

६) झा, सुरेन्द्र, सुमन (सं.), *एकांकी संग्रह,* मै.अ. पटना

सन्दर्भ सामग्री

१) मिश्र, जयमन्त, *मैथिली नाटक पर संस्कृतक प्रभाव,* मै.अ. पटना

—

२) मिश्र, लेखनाथ, *मैथिली नाटकक उद्भव ओ विकास,* मै.अ. पटना
३) झा, प्रताप नारायण, *मैथिली नाटकोंका उद्भव ओ विकास,* मैथिली अकादमी, पटना
४) ओझा, दशरथ, *नाट्यकला,* राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
५) दास, श्याम सुन्दर, *रूपक रहस्य,* इण्डियन प्रकाशन, इलाहाबाद
६) चिरंजीव, *एकांकी कला,* अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
७) Hudson, H., ***An Introduction to the English Literature,***

द्वितीय वर्ष

Paper	Code No.	Subject		Full Marks
VI	Mai. 506	मैथिली निबन्ध ओ गल्प साहित्य		१००
VII	Mai. 507	मैथिली उपन्यास		१००
VIII	Mai. 508-1	१) कवि विशेष (विद्यापति)	विशेष पत्र	१००
	Mai. 508-2	२) „ „ (चन्दा झा)		
	Mai. 508-3	३) युग विशेष (मल्लकालीन मैथिली साहित्य)		
	Mai. 508-4	४) विषय विशेष (भाषा शास्त्र ओ मैथिली भाषा)		
IX	Mai. 509	शोध प्रविधि		१००
X	Mai. 510-1	१) संस्कृत, प्राकृत ओ अवहट्ठ	ऐच्छिक	१००
	Mai. 510-2	२) मैथिली लोक साहित्य		
	Mai. 510-3	३) विश्व साहित्य		
	Mai. 510-4	४) मैथिली साहित्यिक निबन्ध		
	Mai. 510-5	५) शोधपत्र		

मैथिली निबन्ध ओ गल्प साहित्य

Mai. 506

षष्ठ पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) मैथिली गद्य साहित्यकपरिचय, भेदोपभेद एवं शैली सँ परिचित कराओल जाएत, निर्धारित निवन्ध: रचयिताक साहित्यिक परिचय

२) निर्धारित निबन्धक शास्त्रीय विश्लेषण, व्याख्या एवं समीक्षा कौशल सँ अवगत कराओल जाएत

३) निर्धारित गल्पकारलोकनिक साहित्यिक परिचय, निर्धारित गल्पक रचना तत्व, कथावस्तु, विषयवस्तु, चरित्र चित्रण, व्याख्येय अंशक व्याख्या, साहित्यिक वैशिष्ट्य प्रतिपादन तथा समालोचनात्मक अध्ययन विधिक ज्ञान देल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
	निबन्ध:	
I	क) प्रबन्ध पारिजात सँ	१५
	१) ब्रजवोली: डा. शैलेन्द्र मोहन झा	
	२) कृष्ण जन्म: डा. नवीन चन्द्र मिश्र	
	३) समालोचना: सुधांशु शेखर चौधरी	
	४) मिथिलाक सांस्कृति परम्परा: डा. अमरेश पाठक	
II	१) हास्य रस: एक विवेचना: डा. कांचीनाथ झा किरण	१५
	२) कवि कर्म: मुरलीधर झा	
	३) ज्योतिरीश्वर आ. मिथिला समाज: मणिपद्म	
	४) साहित्य आ मनोविज्ञान: डा. विद्यापति ठाकुर	
III	*(ख) निबन्ध संकलन सँ*	१५
	१) वर्णना: ज्योतिरीश्वर	
	२) साहित्यकमर्यादा: पुलकित लाल दास मधुर	
	३) भारतीय दर्शनक महत्व: हरि मोहन झा	
	४) समीक्षा वृत्ति: आ. रमानाथ झा	
	५) साहित्यमे मे राधा: डा. महेश्वरी, महेश	
IV	१) आधुनिक मैथिली साहित्य पर अंगरेजीक प्रभाव: डा. जयकान्त मिश्र	१५
	२) काव्य मे औचित्य: डा. जयमन्त मिश्र	
	३) नवताक सन्दर्भ परम्पराक स्थिति-श्री शेखर	
	४) आधुनिक मैथिली कथा प्रेरक शक्ति तथा प्रवृत्ति: श्रीमायानन्द मिश्र	

V *गल्प: (क) मैथिली कथा संग्रह सं*

१) पांच पत्र, मधुरमनि, झगडा, सामाक पौती, मनुक संतान, एवं मामी २५

२) अगुरवान, सांझक गाछ, मिझाइत दीप, पिता, घर देखि आ २५

VI *(ख) नेपालक प्रतिनिधि गल्पसं*

चोट, निमंत्रण:- पत्र, कथा, अगराही, बालूक घर, आक्रोश, फूटल चूडी कनैत सीथ ४०

पाठ्य पुस्तक

निबन्ध:

१) झा, चेतकर, झा, देवकान्त झा (सं.) *प्रबन्ध पारिजात,* मै. अ. पटना, १९८७

२) झा, शेलेन्द्र मोहन, शिव शंकर झा, तथा विद्यानाथ झा (सं.), *संकलन,* मेअ. पटना, १९८८

गल्प साहित्य:

१) पाठक, अमरेश, *मैथिली कथा संग्रह,*

२) धीरेन्द्र, *नेपालक प्रतिनिधि मैथिली अल्प,* जानकी प्रकाशन, जनकपुर २०३८

सन्दर्भ सामग्री

१) *साहित्य समीक्षा,* वैदेही प्रकाशन, भाग, १,२

२) वासुकीनाथ, *मैथिली साहित्यकरूपरेखा,* भाग १,२, चेतना समिति, पटना

३) झा, भोलानाथ, *साहित्य विझ्या विमर्श,* मै.अ. पटना

४) ठाकुर, ब्रजकिशोर, *अध्ययन आओर विवेचन,* साधना प्रकाशन, लोहना

५) झा, भीमनाथ, *परिचायिका*

६) देवी, कामाख्या, *मैथिली कथाकार,* साहित्य अकादमी, पटना

मैथिली उपन्यास

Mai 507

सप्तम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) मैथिली गद्य साहित्यकविधा: उपन्यासक परिचय, भेदोपभेद एवं तत्वक विश्लेषण पद्धति सँ परिचति कराओल जायत

२) निर्धारित उपन्यास सबहिक समीक्षा: कौशल सँ परिचित कराओल जाएत

३) निर्धारित उपन्यास सबहिक कथावस्तु, चरित्र चित्रण, अन्य प्रमुख तत्वक विश्लेषण एवं व्याख्येय सन्दर्भक व्याख्या विधि सँ परिचित कराओल जाएत

४) निर्धारित उपन्यास सबहिक विश्लेषणात्मक व्याख्या, समीक्षा, साहित्यिक वैशिष्ट्यक प्रतिपादन तथा समालोचनात्मक रीतिसँ अध्ययन कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	दू पत्र: श्री उपेन्द्र झा व्यास	२५
II	पृथ्वी पुत्र: ललित	२५
III	ठुमुकि बहू कमला: डा धीरेन्द्र	२५
IV	राजा पोखरि मे कतेक मछरी: प्रभास कुमार चौधरी	२५
V	भल मानुस: श्री योगानन्द झा	२५
VI	नवतुरिया: श्री यात्री	२५

पाठ्य पुस्तक

१) श्री यात्री, *नवतुरिया,* ग्रंथालय प्रकाशन, दरभंगा

२) झा, योगानन्द, *भलमानुस,* ग्रंथालय प्रकाशन, दरभंगा

३) ललित, *पृथ्वी पुत्र,* मै.अ. पटना

४) झा व्यास, *दू पत्र,* साहित्यकअकादमी, दिल्ली

५) धीरेन्द्र, *ठुमुकि बहू कमला,* साधना प्रकाशन, लोहना (मधुवनी)

६) चौधरी, प्रभास कुमार, *राजाक पोखरि मे कतेक,* मछरी

सन्दर्भ सामग्री

१) पाठक, अमरेश, *मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन*

२) झा, वासुकी नाथ, *मैथिली साहित्यकरूपरेखा,* (भाग १,२, चेतना समिति, पटना

३) व्यास, विनोद शंकर, *उपन्यास कला,* हिन्दी मन्दिर, वाराणसी

४) *साहित्य समीक्षा,* भाग १, २, वैदही प्रकाशन, भधुवनी

५) झा, भोलानाथ, *साहित्य विमर्श,* मै.अ. पटना
६) ठाकुर, ब्रजकिशोर, *अध्ययन आओर विवेचन,* साधना प्रकाशन, लोहना (पश्चिम)
७) झा, भीमनाथ, *परिचायिका,* भवानी प्रकाशन, प्रटना
८) Hudson, H, ***An Introduction to the English Leterature***

१) विद्यापति (अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Mai 508-1

अष्टम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

एहि पाठ्यांशक उद्देश्य अध्येता लोकनिकें विद्यापतिक सम्बन्धमे गंभीर, व्यापक आओर समीक्षात्मक ज्ञान सँ मण्डित करव हएत

पाठ्यांशक विभाजन

I	संस्कृत भाषाक रचना	३०
II	अवहट्ठ भाषाक रचना	३०
III	मैथिली भाषामे रचित पदावली	९०

एकाइ		पाठ घण्टा
I	*विद्यापतिक परिचय:* जन्मभूमि, निवास स्थान, वंश, संक्षिप्त जीवनी, वृत्ति, परिवार, रचना, उपाधि एवं किंवदन्ती	५
II	*विद्यापतिक पांडित्य:* विद्यापति आ इतिहास, आ भूगोल, आ पुराण, आ स्मृति, आ नीति शास्त्र, आ कूटनीति, आ धर्म आ समाज सुधार, मैथिललोकनिक गौरव, आ संस्कृत, एवं मैथिली	२०
III	*विद्यापति आ संस्कृत:* पुरूष परीक्षा आ शैव सर्वस्वसार	१०
IV	*विद्यापति आ अवहट्ठ:* कीर्तिलता ओ कीर्तिपताका	१५
V	*विद्यापति:* पदावली	४०
VI	*विद्यापति सिर्जनात्मक प्रतिभा:* कवित्व शक्ति प्रसंगक किंवदन्ती, विद्यापति आ संस्कृतक कवि, काव्यक श्रेणी मुक्तक, विद्यापति आ उपमा, तथा सौन्दर्य *विद्यापतिक विरह:* संयोग, भक्ति, ध्वनि, अलंकार, दृष्टिकूट तथा सूक्ति	२५
VII	*विद्यापतिक सम्प्रदाय:* शक्ति, शैव, वैष्णव, स्मार्त, एकेश्वरवादी, विचार धारा, रहस्यवाद एवं श्रृंगार आदिक समालोचनात्मक विवेचन	१०
VIII	*विद्यापतिक भाषा:* (क) ध्वनि समूह: संस्कृत ध्वनि समूह, प्राकृत ध्वनि समूह, विद्यापतिक पदक ध्वनि समूह, ध्वनि परिवर्तन, स्वर व्यंजन परिवर्तन	१५
	(ख) स्वराघात: वैदिक स्वराघात, प्राकृत एवं आधुनिक	१०

स्वराघात, मैथिलीमे स्वराघात: अवहट्ठ ओ मैथिलीक दोहा एवं अन्य पक्षक विश्लेषण

पाठ्य पुस्तक

१) झा, सुरेन्द्र सुमन एवं अन्य, *पुरूष परीक्ष,* मै.अ. पटना
२) झा, रमानाथ (सं.), *पुरूष परीक्षा,* श्री रमेश्वर मैथिली चेयर, पटना, त्रि.वि. प्रकाशन, पटना
३) *शैव सर्वस्वसार,* प्र.मै. अ. पटना
४) मिश्र, उमेश, *कीर्तिलता,* मै.सा. संस्करण (इलाहावाद)
५) सक्सेना, वावूराम, *कीर्तिलता,* नागरी प्रचारिणी सभा, इलाहावाद
६) झा, सुरेन्द्र सुमन, *कीर्तिलता,* मैथिली प्रकाशन, दरभंगा
७) मिश्र उमेश, *कीर्तिपताका,* मै.सा. संस्करण, प्रयाग
८) विद्यापति पदावली, मै.सा. परिषद् दरभंगा
९) ठाकुर, शिवनन्दन, *महाकवि विद्यापति,* मै.अ. पटना
१०) मित्र, मजुमदार, *विद्यापति,* हिन्दी राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
११) *विद्यापति पदावली,* विहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

सन्दर्भ सामग्री

१) झा, इन्द्रकान्त, *लिखनावली,* इन्द्रालय प्रकाशन, पटना
२) अरविन्द नारायण, *विद्यापति युग और साहित्य,* नेशनल पब्लिंशिग हाउस, दिल्ली
३) सेन, सुकुमार, *विद्यापति गोष्ठी,* रिसर्च सोसाइटी, दरभंगा
४) बशिष्ठ, राम, *गीतकार विद्यापति,* विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
५) मिश्र, विशेश्वर, *विद्यापतिक काव्य साधना,* ग्रंन्थालय, दरभंगा
६) सिंह, शिव प्रसाद, *कीर्तिलता और अवहट्ठ,* हिन्दी प्रचारक समिति, वाराणसी
७) झा, शैलेन्द्र मोहन, *विद्यापति,* मै.अ. पटना
८) झा, उमानाथ, *विद्यापति गीत,* साहित्य अकादमी, दिल्ली
९) मिथिला मिहिर, *साप्ताहिक मै पत्रिका, पटना,* विद्यापति अंक विद्यापति विशेषङ्क सभ (१९६०इ सं १९८०ई.)

२) कवि विशेष: कवीश्वर चन्दा झा (अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Maith 508-2

अष्टम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

एहि पाठ्यांशकद्वारा अध्येता लोकनिकें कवीश्वर चन्दा झाक समस्त उपलब्ध रचनावलीक अध्यापन सं कवि विषयक समग्र ज्ञान देल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	*चन्दा झाक परिचय:* वंश, वास स्थान, शिक्षाकाल, शिक्षाक विषफ आश्रयदाता, काल, रचनाक दर्शन तथा अनुदानक परिचय	४०
II	*भक्ति पद:* सूर्य, गणेश, इन्द्र आ शक्ति सं सम्बन्धित रचना	४०
III	*कृष्ण सम्वन्धी:* (गीत) पद	२०
IV	उमा, महेश्वर, शिव शरणागति, गंगास्तुति, आ मिथिला महिमा	३०
V	वाताह्वान	२०

पाठ्य पुस्तक

१) झा, चन्दा, *मिथिला भाषा रामयण,* सं. श्री शशिनाथ प्र. राजप्रेस, दरभंगा र मै.अ. पटना
२) मिश्र, विशेश्वर, *महेशवाणी संग्रह,* मैथिली बुक इम्पोरियम, मधुवनी
३) झा, सुरेन्द्र सुमन, *पुरूष परीक्षाक अनुवाद,* मै.अ. पटना
४) मिश्र, विशेश्वर, *चन्द्र पदावली,* मै.अ. पटना
५) झा, रमानाथ, *चन्द्र पदावली,* मैथिली बुक इम्पोरियम, मधुवनी

सन्दर्भ सामग्री

१) झा, शशिनाथ, *मिथिला रामायण गुटका संस्करण,* राज प्रेस, दरभंगा
२) झा, रमानाथ, *महेशवाणी संग्रह,* मै.वि. इम्पोरियम, मधुवनी
३) झा, सुरेन्द्र समुन, *पुरूष परीक्षक अनुवाद,* मै.अ. पटना
४) मिश्र, वलदेव, *कवीश्वर चन्दा झा,*
५) झा, ललितेश्वर, *कविवर चन्दा झा,* मै.बु.इ. मधुवनी
६) झा, रमानाथ, *प्रबन्ध संग्रह,* अनन्त प्रकाशन, दरभंगा
७) „ „ , *निवन्ध संग्रह,* अनन्त प्रकाशन, राजकुमार गंज, दरभंगा
८) मिश्र, विशेश्वर, *चन्दा झाक कृतिक एवं व्यक्तित्व,* गोविन्द शोध संस्थान, मधुवनी
९) झा, अमरनाथ, *चन्दा झा ओ हुनक रामायण,*

TRIBHUVAN UNIVERSITY CENTRAL LIBRARY

३) युग विशेष: मल्लकालीन मैथिली साहित्य (अध्ययन विशेष) (विशिष्टी करण)

Mai 508-3

अष्टम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) मैथिली साहित्यकविकासमे मल्ल कालीन साहित्यकयोगदान सं परिचित कराओल जाएत

२) मल्ल कालमे रचित अधिकतम पद्य साहित्य एवं नाट्य रचना सं परिचय कराओल जायत, निर्धारित रचना ओ रचनाकारक ऐतिहासिक एवं साहितियक परिचय देल
जाएत

३) आओर निर्धारित रचना सबहिक साहित्यिक मूल्य, मान्यता, सारांश, व्याख्या एवं समीक्षात्मक ज्ञानद्धारा अभिव्यन्जना कौशलमे चमत्कार आनल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	मल्लकालीन साहित्यकगतिविधि, तात्कालीन नेपाल उपत्यकाक सांस्कृतिक स्वरूपक अध्ययन	२५
II	मल्ल राजा लोकनिकद्वारा सर्जित अप्रकाशित साहित्यिक सामग्रीक अन्वेषण ओ सम्पादन	२५
III	मैथिली अभिलेखगीत माला, सिद्ध: नरसिंह मल्ल गीत संग्रह, गीत पंचाशिका एवं नांनार्थगीत संग्रह, आदि रचनाक समीक्षात्मक अध्ययन	५०
IV	हर गौरी विवाह ओ प्रभावतीहरण नाटकक समीक्षात्मक अध्ययन	२५
V	विद्या विलाप ओ हरिश्चन्द्र नृत्यम्: नाटकक समालोचनात्मक अध्ययन	२५

पाठ्य पुस्तक

१) झा, रामदेव (सं.), जगज्ज्योतिर्मल्ल, *हरगौरी विवाह,* रिसर्च सोसाइटी, दरभंगा

२) मिश्र, लेखनाथ (सं.), जगत प्रकाश मल्ल, *प्रभावती हरण,* पटना

३) झा, रमानाथ, *भाषागीत संग्रह,* पटना विश्वविद्यालय, पटना

४) मिश्र,. जयमन्त, *अभिलेखगीत माला,* मै.अ. पटना

५) „ „ *विद्याविलाप*

६) „ „ *हरिश्चन्द्र नृत्यम्*

७) झा, शैलेन्द्र मोहन, *सिद्ध नरसिंह मल्ल,*

सन्दर्भ सामग्री

१) सिंह, प्रफुल्ल कुमार मौन, *नेपालक मैथिली साहित्यकइतिहास,* अखिल नेपाल मैथिली साहित्य परिषद, विराटनगर

२) झा, रमानाथ, *अभिनन्दन ग्रंथ,* अनन्त प्रकाशन, दरभंगा

३) झा, उमानाथ, *भाषा, साहित्य एवं संस्कृति,* चेतना समिति, पटना

४) झा, सुन्दर शास्त्री, *नानार्थगीत संग्रह,* फूलपात विशेषङ्क, (काठमाडौ)

५) ज्ञवाली, सूर्य विक्रम, *मध्यकालीन उपत्यका को इतिहास,* साझा प्रकाशन, काठमाडौ

६) झा, रामदेव, *जगज्जयोतिर्मल्ल,* सा.अ. दिल्ली, १९९८

४) विषय विशेष (भाषा शास्त्र ओ मैथिली भाषा
(अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Mai 508-4

अष्टम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) भाषा शास्त्रक उत्पत्तिक सिद्धान्त सँ परिचित कराओल जाएत
२) भाषाक परिवर्तनशीलता, ओकर कारण, भाषाक वर्गीकरण, वर्गीकरणक आधार आकृति
३) मूलक वर्गीकरण, पारिवारिक वर्गीकरण आदि सं परिचित कराओल जाएत
४) भारोपीय परिवारक अन्तर्गत भारतीय आर्यभाषा, ताहि अन्तर्गत मिथिलांचलीय मैथिली भाषा सं परिचित कराओल जाएत
५) भाषा शास्त्रक इतिहास, अर्थ विज्ञान, अर्थ परिवर्तन, ध्वनि विज्ञान, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन ओ ध्वनि यंत्र एवं श्रवण, आदिक परिचय देल जाएत
६) मैथिली स्वनिम वर्णन, लिपिवद्ध स्वन, ओकर प्रतीक रचननिम स्वनक विशेषता, स्वनिमक रचना, आघात (Stress) मात्रा संतुलन, अपूर्ण उच्चारण वर्तनीक समस्या, आ मैथिली लिपिक ज्ञान कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	भाषाक परिभाषा, प्रकृति, विशेषता ओ प्रवृत्ति, भाषाक विविध रूप भाषा एवं बोली, भाषोत्पत्तिक सिद्धान्त, भाषाक परिवर्तन शीलता आ ओकर कारण	१५
II	भाषाक वर्गीकरणक आधार, पारिवारिक वर्गीकरण आकृति मूलक वर्गीकरण, भारोपीय भाषाक वर्गीकरण, आर्यभाषा एवं मैथिली	१५
III	मैथिली ओ पूर्वांचलीय भाषा मे सम्बन्ध, मैथिली एवं वंगला, मैथिली एवं असमिया, मैथिली एवं मगही, मैथिली एवं नेपाली, मैथिली, मिथिलांचलक भाषा हिन्दी अथवा अन्य कोनहु भाषाक बोली अथवा उपभाषा नहि	१५
IV	भाषा शास्त्रक परिभाषा, ओ उपयोगिता, भाषा शास्त्रक इतिहास अर्थ विज्ञान, अर्थ विज्ञानक परिभाषा, अर्थक प्रतीति अर्थ बोधक, साधन, ओ अर्थ परिवर्तन, ध्वनि विज्ञानक स्वरूप ओ उपयोगिता, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन ओ तकर कारण ध्वनि यंत्र एवं श्रवण	२०

V	स्वनिमक वर्णन, लिमिवद्ध ओकर प्रतीक, स्वन वर्णमाला, अनुसार वर्णन, स्वनक भाषा वैज्ञानिक वर्णन, मैथिलीक स्वनिम आ उप स्वन, स्वनिमक विशेषता सानुनासिकता, मात्रा, ह्रस्व, स्वर विभिन्न स्वनक उच्चारण वैशिष्ट्य, स्वनिमक अभिरचना, स्वर-गुच्छ, व्यंजन गुच्छ, एवं स्वर भक्ति	२०
VI	*आघात ओ मात्रा संतुलन:* मात्रात्मक आघात, बलात्मक आघात, द्वितीय आधार, शेष ह्रस्वता नियम, मात्रात्मक अभिरचना, दू दीर्घ स्वरक अस्तित्व, उपांत्य, इ,ओ,उ, अपूर्ण अथवा शिथिल उच्चारण स्वर लोप, स्वर संकोच अपनिहित वर्त्तनीक समस्या, मैथिली लिपि	२०
VII	शब्द सम्पदा, आर्य भाषा मूलक शब्द आ ओकर विकासक विभिन्न प्रकार, तत्सम, अर्द्ध तत्सम, तद्भव ओ नवीन शब्द आगमनक अन्यान्य स्रोत, देशी शब्द विदेशी शब्द, साधित शब्द, कृदन्त शब्द, तद्धितांत शब्द ओ सामासिक शब्द एवं नामक तीन कोटि	२०
VIII	पद विज्ञान स्वरूप ओ परिभाषा, पद (रूप) क व्याख्या पद परिवर्तन कारण, परिवर्तनक दिशा, वाक्य विज्ञान एकर विषय, प्रकार तात्विक परिभाषा, वाक्य विभाजन, वाक्य प्रकार ओ वाक्य परिवर्तन, व्युत्पति विज्ञान एकर परिभाषा ओ नियम, मैथिली शब्दक व्युत्पति ओ एकर ऐतिहासिक महत्व	२५

पाठ्य पुस्तक

१) मिश्र, धीरेन्द्र नाथ, *मैथिली भाषा शास्त्र,* भवानी प्रकाशन, पटना

२) झा, गोविन्द, *मैथिली भाषाका विकास,* हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना

३) „ „ *मैथिलीक उद्भव ओ विकास,* मैथिली प्रकाशन, समिति, कलकत्ता

सन्दर्भ सामग्री

1) Aber, Crombne D., ***Elements of General Phonetics,*** Fidinburgh, Uni. Press, 1967.

2) Cat, Ford J.C., ***Fundamental Problems in Phonetics,*** 1977.

3) Crystal, ***Linguistes,*** London, Penguin Press, 1971.

4) Lyons, J., ***Introduction to the Theoritical Linguistics,*** Cambridge Cup, 1868.

5) Yadav, R., ***Maithili Phonitics & Phonology,*** Ming Sildom Tmn, 1984.

6) „ „ ***A Reference Graqmmar of Maithili,*** Mautoud, Gonata.

शोध प्रविधि
(अनिवार्य)

Mai. 509

नवम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) शोध प्रविधि सम्बन्धी आवश्यक तत्व सं परिचय कराओल जाएत, शोध प्रवृत्ति जाग्रत कए शोध कार्य करबाक प्राविधिक आधार प्रदान कएल जाएत

२) अन्वेषणात्मक बुद्धि जागरण कएल जाएत

पाठ्यांश विभाजन

क) सैद्धान्तिक ख) प्राविधिक

एकाइ		पाठ घण्टा
I	१) शोधक सामान्य परिचय, परिचर्चा, एवं उपयोगिता	१०
	२) शोध विधिक सामान्य ज्ञान (आगमनात्मक, निगमनात्मक, वर्णनात्मक एवं ऐतिहासिक)	१५
	३) शोध प्रस्ताव: विषयगत शीर्षक चयन, समस्याक उपस्थापन, पूर्व कल्पना, उद्देश्य, पूर्व कार्य (कृति) क समीक्षा, औचित्य, शोध विधि, शोध कार्यक प्रारूप	२५
	४) सामग्रीक संकलन: प्राथमिक एवं प्रधान वस्तु, पुस्तकालय अध्ययन, सर्वेक्षण, प्रश्नावली, अन्तर्वार्ता, एवं अन्य क्षेत्रीय कार्य	२५
	५) सामग्रीक अध्ययन एवं विश्लेषण तथा सामान्यीकरण निष्कर्षीकरण	३५
II	शोधक स्वरूपक परिचय:	
	१) शोधपत्रक अङ्ग, मूल पाठ, अध्याय, परिच्छेद, शीर्षक तथा उपशीर्षक, पाद टिप्पणी, सन्दर्भ ग्रंथ सूची तथा भूमिका	३०
	२) लेखन, टंङ्कन, प्रस्तुति, मसौद लेखन, परिष्करण, पुनश्च टंङ्कन, मिलान, संशोधन तथा गत्ता लगाएब	१०

सन्दर्भ सामग्री

१) बन्धु, चूडामणि, *अनुसंधानको रूप र शैली,* पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, त्रि.वि.,कीर्तिपुर

२) त्रिपाठी, वासुदेव, *अनुसंधान प्रक्रिया: एक झलफल (लिथो),* मा.सा.शा., त्रि.वि. कीर्तिपुर

३) शर्मा, मोहनराज, खगेन्द्र लुइटेल (सं.), *शोध विधि,* साझा प्रकाशन, काठमाडौ

१) संस्कृत, प्राकृत एवं अवहट्ठ
(ऐच्छिक)

Mai 510-1

दशम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) संस्कृत भाषामे रचित साहित्यकनिर्धारित पुस्तकक अध्ययन कराओल जाएत, महाराष्ट्रीय प्राकृत भाषामे रचित, श्री राजशेखर प्रणीत कर्पूर मंजरी: नामक सट्टकक अध्ययन कराओल जाएत

२) मिथिला आधुनिक अपभ्रंश वनाम अवहट्ठ भाषामे लिखित महाकवि विद्यापति रचित कीर्तिलता काव्यक अध्ययन कराओल जाएत

३) उपर्युक्त तीनू भाषाक निर्धारित रचनाक सारांश, व्याख्या एवं समालोचना आदिक समीक्षात्मक विधिसं परिचित कराओल जाएत

४) मैथिली भाषा प्रधानत: संस्कृतक विकास क्रम प्रत्येक स्थितिक प्रभावसं विकसित भाषा अछि, कतोक खासकय प्राचीन रचनाक सम्यक विश्लेषणक हेतु उपर्युक्त भाषा सबहिक साहित्य सं परिचित हएब अति आवश्यक ओहि प्रत्येक प्रभाव सं सेहो परिचित कराओल जाएत

संस्कृत प्राकृत एवं अवहट्ठ पाठ्यांशक विभागन

(क) **संस्कृत:**

१) **श्री भास रचित:** स्वप्न वासवदत्तम् (नाटक), चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी (अंकभार ५०)

२) **कालिदास:** रघुवंश (द्वितीय सर्ग), चौखंभा प्राशन, वाराणसी

(ख) **प्राकृत:** यायावर, राजशेखर: कर्पूरमंजरी (सट्टक), मास्टर खेलाडी लाल ऐण्ड सन्स, वाराणसी (अंकभार २५)

(ग) **अवहट्ठ:** विद्यापति: कीर्त्तिलता, सं. सुरेन्द्र झा, सुमन: दरभंगा (अंकभार २५)

<u>एकाइ</u>		<u>पाठ घण्टा</u>
I	संस्कृतक महाकाव्य एवं नाटकक सामान्य, ऐतिहासिक एवं शास्त्रीय परिचय, कालिदास एवं भासक ऐतिहासिक एवं साहित्यिक परिचय रघुवंश (II सर्ग), एवं स्वप्न वासवदत्ताक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन, कथावस्तुक सारांश, व्याख्या तथा समीक्षा	५०
II	प्राकृत: राजशेखरक वैयक्तिक एवं साहित्यिक परिचय, कर्पूर मंजरीक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन, सारांश, व्याख्या, समालोचना एवं रस	५०

आदिक ज्ञान

III अवहट्ठ: विद्यापतिक साहित्यिक परिचय, कीर्तिलताक विश्लेषण एवं शास्त्रीय समीक्षा कथानक, चरित्र, चित्रण, रस, सूक्ति, नीति-वाक्य, तात्कालीन समाजक सामाजिक राजनैतिक, धार्मिक तथा आर्थिक स्थिति स्पष्ट विश्लेषण ५०

पाठ्य पुस्तक

१) संस्कृत: कालिदास, *रघुवंश द्वितीय सर्ग*
श्री भास, *स्वप्नवासवदत्तम्*

२) प्राकृत: श्री राजशेखर, *कपूर मंजरी (सट्टक)*

३) अवहट्ठ: विद्यापति, *कीर्त्तिलता*

सन्दर्भ सामग्री

१) उपाध्याय, वलदेव, *संस्कृत साहित्यकइतिहास,द* चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी

२) वररूचि, *प्राकृत प्रकाश*

३) झा, राजेश्वर, *अवहट्ठ भाषाक इतिहास,* श्री अमरनाथ झा, सहर्षा

४) शर्मा, जगन्नाथ राय, *अपभ्रंश दर्पण*

५) सिंह, शिव प्रसाद, *कीर्त्तिलता,* हिन्दी प्रचारक समिति, वाराणसी

६) अग्रवाल, वासुदेव शरण, *कीर्तिलता,* नेशनल बुक पब्लिविंग हाउस, दिल्ली

७) जैन, जगदीश, *प्राकृत साहित्य का इतिहास,* नेशनल बुक पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

२) मैथिली लोक साहित्य
(ऐच्छिक)

Mai 510-2

दशम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) लोक साहित्यकसैद्धान्तिक विवेचन एवं विश्लेषण पक्ष सं अवगत कराओल जाएत, मिथिला एवं मैथिल लोक जीवनक विस्तृत आयाम सं परिचित कराओल जाएत

२ मैथिली लोकगीत: धार्मिक गीत, संस्कार गीत, ऋतु गीत, व्यवहारगीत, व्यवसाय गीत, शिशुगीत, एवं अन्य विविध गीतक अध्ययन कराओल जाएत

३) लोकगीत मे मिथिलाक जीवन, एवं लोकगीत मे वर्णित नारी जीवन तथा प्रकृति चित्रण सं परिचित कराओल जाएत

४) मैथिलीक लोक नाट्य साहित्यकपरम्परा, वर्गीकरण, विशेषता, निर्धारित लोक नाट्यक कथावस्तु, पात्र, संवाद योजना, गीत, प्रहसन, एवं रंगमंच, अभिनय, रूपयोजना, भाषा, शैली आदि पक्ष सं परिचित कराओल जाएत

५) लोक गीतक भाषा, शैली, भाव ओ रस, अलंकार योजना, छन्द योजना, लोक गीतक महत्व आ विलक्षणता सं परिचित कराओल जाएत

६) मिथिलाक अन्य विविध साहित्य: लोकोक्ति, मोहावरा (व ग्धारा), कहबी, बुझौअलि, फकडा आदि

<u>एकाइ</u>		<u>पाठ घण्टा</u>
I	लोक साहित्यकसैद्धान्तिक विवेचन, लोक साहित्य, लोकगीत, लोक कथा लोक नाट्य, लोकोक्ति आदिक सर्जन प्रणाली क्षेत्र, विस्तार एवं उपादेयता आदि	२०
II	मिथिला आ एकर लोक जीवन, वर्ण व्यवस्था, व्यवसाय, वेशभूषा, खानपीन ओकर अलंकरण, धार्मिक दर्शन, सम्प्रदाय ओ साधना अन्ध विश्वास, तत्रमंत्र, टोनाटापर, प्रमुख पावनि तिहार, मैथिल लोक साहित्यकपरिचय तथा शिष्ट साहित्य पर एकरा सबहिक प्रभाव वर्णन एवं विश्लेषण	२०
III	मैथिल लोकगीत एकर परम्परा, वर्गीकरण धार्मिक गीत, संस्कार गीत, ऋतु गीत, पावनि तिहार-सं सम्बद्ध गीत, व्यवसायगीत, शिशुगीत, प्रबन्धात्मक गीत, झिझिया गीत, झरनी गीत, झूमरि गीत आदि	२०
IV	लोकगीतमे मिथिलाक जीवन, लोकगीतमे चित्रितनारी, लोकगीतमे चित्रित प्रकृति चित्रण, लोकगीत आ साधारणी	२०

	करण लोक गीतक भाव ओ रस	
V	लोकगीतमे अलंकार योजना, भाषा: शैली, छन्द: योजना, आ महत्व ओ एकर विशेषता	२०
VI	मैथिली लोककथाक परम्परा ओ परिचय, वर्गीकरण, लोक कथाक उपकरण, लोक कथाक सामान्य विशेषता, एकर शिल्प विधान, अभिप्राय ओ पात्र योजना आदिक विश्लेषण	२०
VII	लोक नाट्य: परिचय, परम्परा, वर्गीकरण, विशेषता, एहि क्षेत्रक प्रमुख नाट्य - जट:- जटिन, सामा:- चकेवा, नैनायोगिन, विदेशिया, हिरनी:- विरनी, रामलीला, गोपीचन्द, राजा सल्हेस, नैका वनिजारा, दीना भद्री बालकथा आदि	२०
VIII	मिथिलाक विविध लोक साहित्य, मोहावरा, कहवी, बुझौअलि, फकडा, एवं लोक मंच	१०

पाठ्य पुस्तक

१) आनंद, विभूति, *एक गो रहथि राजा,* विभूति प्रकाशन, पटना
२) „ „ *गोनू झा,* उर्वशी प्रकाशन, पटना
३) झा, राजेश्वर, *एकादशी,* प्र. श्री अमरनाथ रसुआर सहर्ष
४) देवी, कामाख्यमा, *संस्कारगीत,* मै.अ. पटना
५) आनन्द, विभूति, *गीतनाद*
६) सिंह, प्रफुल्ल कुमार मौन, *मैथिली नेनागीत संग्रह,* मै.अ. पटना

३) विश्व साहित्य
(ऐच्छिक)

Mai 510-3

दशम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) अंग्रेजी भाषा साहित्यकविकासक्रम तथा साहित्यकविभिन्न विधाक संक्षिप्त ज्ञान देल जाएत

२) हिन्दी साहित्य विकासक्रमक संगहि एकर विभिन्न विधाक ज्ञान संक्षिप्तमे कराओल जाएत, नेपाली साहित्यकविकासक्रम, वर्त्तमान स्थिति ओ विभिन्न विधाक सार तत्वसं परिचित कराओल जाएत

३) संस्कृत भाषा साहित्यकविकासक्रम, महत्वपूर्ण विभिन्न विधाक, साहित्यकज्ञानक सार सँ परिचित कराओल जाएत

एकाइ

		पाठ घण्टा
I	आधुनिक अंग्रेजी भाषाक प्रकृतिओ वैशिष्ट्य, आधुनिक साहित्यकविभिन्न विधाक संक्षिप्त इतिहास, पूर्व ओ वर्त्तमान स्वरूप, प्रकृति ओ धारा, प्रतिनिधि कृति ओ कृतिकारक परिचय	४०
II	आधुनिक हिन्दी भाषाक प्रकृति ओ विलक्षणता, आधुनिक हिन्दीक विभिन्न विधाक संक्षिप्त इतिहास, पूर्व ओ वर्तमान स्वरूपक, प्रकृति ओ धारा, प्रतिनिधि कृति ओ कृतिकार लोकनिक ऐतिहासिक ओ साहित्यिक परिचय	३५
III	आधुनिक नेपाली भाषाक प्रकृति ओ वेशिष्ट्य, आधुनिक नेपाली साहित्यकविभिन्न विधाक इतिहास, पूर्व ओ वर्त्तमान स्वरूप, मुख्य रचना प्रवृत्ति ओ धारा, प्रतिनिधि रचना ओ रचनाकारक ऐतिहासिक ओ साहित्यिक परिचय	३५
IV	संस्कृत भाषा साहित्यकप्रकृति ओ वैलक्षण्य संस्कृत साहित्यकविभिन्न विधाक इतिहास, प्रकृति ओ धारा, प्रतिनिधि रचना ओ रचनाकारक ऐतिहासिक ओ साहित्यिक परिचय	४०

पाठ्य पुस्तक

१) Hudson, H, ***An Out Line of English Literature***

२) सं. मण्डल, *विश्व साहित्य,* राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान, कमलादी, काठमाडौ

३) उपाध्याय बलदेव, *संस्कृत साहित्य का इतिहास,* चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी

४) शर्मा, तारानाथ, *नेपाली साहित्यको इतिहास,* साझा प्रकाशन, काठमाडौ
५) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, *हिन्दी साहित्य का इतिहास,* हिन्दी प्रचारक समिति, वाराणसी

४) मैथिली साहित्यिक निबन्ध
(ऐच्छिक)

Mai 510-4

दशम् पत्र
पूर्णाङ्क: १००
पाठ घण्टा: १५०

पाठ्यांशक उद्देश्य

१) एहि पाठ्यांशद्वारा अध्येता लोकनिकें मैथिली साहित्यकविभिन्न विधा सं सम्बन्धित नैबन्धिक प्रतिभाक प्रस्फुटनक परिचय देवाक हएतनि
२) अध्येता लोकनिकें निबन्ध लेखन प्रवृत्ति एवं शक्तिक ज्ञान देब हएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	कथा साहित्य: उपन्यास तथा कथा	३५
II	रूपक साहित्य: नाटक एकांकी तथा सट्टक	३०
III	कविता, महाकाव्य, खण्ड काव्य आ चम्पू साहित्य सं सम्बद्ध	४०
IV	लोक साहित्य ओ पत्र पत्रिका	३०
V	समालोचना साहित्य	१५

सन्दर्भ सामग्री

१) झा, रमानाथ, *अभिनन्दन ग्रन्थ,* प्र. समिति दरभंगा
२) सिंह, आरसी प्रसाद, *अभिनन्दन ग्रन्थ,* प्रकाशन समति, हरौत (समस्तीपुर)

पुनश्च: अन्य पत्रमा उल्लिखित पुस्तकहरू समेत यस पत्रमा समावेशित गर्न सकिन्छ

५) शोधपत्र
(ऐच्छिक)

Mai 510-5

दशम् पत्र
पूर्णाङ्कः १००
पाठ घण्टाः १५०